मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

24 सितम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 21 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

मंत्रि-परिषद ने सार्वजनिक निजी भागीदारी से हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की दी स्वीकृति

नीमच-मन्दसौर में जल्द शुरू होगी सेवाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है। संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जायेगी।

हैलीकॉप्टर का संचालन तीन सेक्टरों में किया जाएगा। सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-3 में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर के बीच हेलीकाप्टर सेवा का संचालन किया जायेगा।

इस सेवा का उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटक स्थलों के मध्य निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। इस सेवा से यात्रियों, पर्यटकों, व्यवसाइयों, निवेशकों एवं प्रदेश के रहवासियों का प्रदेश में आवागमन सुगम हो सकेगा। इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में अभिवृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा।

विकसित भारत का सपना तेजी से पूरा होगा - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली 23 सितम्बर (एजेंसी)। देशवासियों को नवरात्र की शुभकामना देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जीएसटी दरों में सुधार को आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे विकसित भारत का सपना तेजी से पूरा होगा। छोटे उद्योगों एवं कारोबारियों की सुविधाएं बढ़ेंगी। साथ ही देशवासियों की प्रतिवर्ष लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये तक की बचत होगी। पीएम ने इन बदलावों को 'जीएसटी बचत उत्सव' बताया।

पहले और बाद की दर की लगाई तख्ती - जीएसटी की नई दर लागू होने से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने देश के नाम संबोधन किया था। सोमवार को जब यह लागू हो गया तो जनता के नाम अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि कई दुकानदारों ने यह तख्ती भी लटकाई की किसी वस्तु की पहले क्या दर थी और अब क्या है।

उन्होंने कहा कि नए जीएसटी सुधारों से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यमवर्गीय परिवार, व्यापारी और छोटे उद्योग सभी को सीधा लाभ होगा। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब जीएसटी स्लैब को सरल कर दिया गया है। सिर्फ दो दरें ही प्रमुख रूप से लागू होंगी। खाने-पीने की वस्तुएं, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट सहित रोजमर्रा की ज्यादातर चीजें अब या तो टैक्स-फ्री होंगी या पांच प्रतिशत की न्यूनतम दर में आएंगी। अधिकांश घरेलू खर्चों पर बोझ घट जाएगा।

पीएम मोदी ने नागरिकों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की। व्यापारियों से स्वदेशी सामान बेचने का आग्रह करते हुए कहा कि जब भी लोग देशी कारीगरों और श्रमिकों का सामान खरीदते हैं तो न केवल लाखों परिवारों की रोजी-रोटी चलती है बल्कि युवाओं के लिए रोजगार भी बनता है।

वर्ष 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य की याद दिलाते हुए कहा कि इसका सीधा रास्ता है आत्मनिर्भरता। जीएसटी सुधार इसी आत्मनिर्भरता को तेजी देगा और हर एक परिवार को राहत।

गाड़ियां, टीवी, एसी से लेकर घी-पनीर तक हुए सस्ते

सरकार ने टैक्स प्रणाली को सरल बनाते हुए अब केवल दो दरों को लागू किया है। इससे न सिर्फ छोटी गाड़ियों, स्कूटी, बाइक और कारें सस्ती हुई हैं, बल्कि टीवी, एसी जैसे महंगे इलेक्ट्रानिक सामान पर भी ग्राहक को बचत हो रही है। वाहनों पर जीएसटी की दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। इससे कार या बाइक खरीदने वाले ग्राहकों को सीधा 10 प्रतिशत का फायदा हो रहा है। उदाहरण के लिए, अगर कोई ग्राहक 10 लाख रुपये की कार खरीदता है, तो उसे करीब एक लाख रुपये तक की बचत हो रही है। वहीं, टीवी और एसी जैसे प्रोडक्ट्स पर भी अब 18 प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे एक लाख के सामान पर 10 हजार रुपये तक की बचत हो रही है।

शारदीय नवरात्रि मेले में सांसद गुप्ता एवं विधायक परिहार ने किया शक्ति पर्व का शुभारंभ

माँ ने महिषासुर का वध कर दिया मातृ शक्ति और अहंकार के विनाश का संदेश

माँ भादवा माता मंदिर में भक्ति संगीत और नृत्य नाटिका की प्रस्तुति

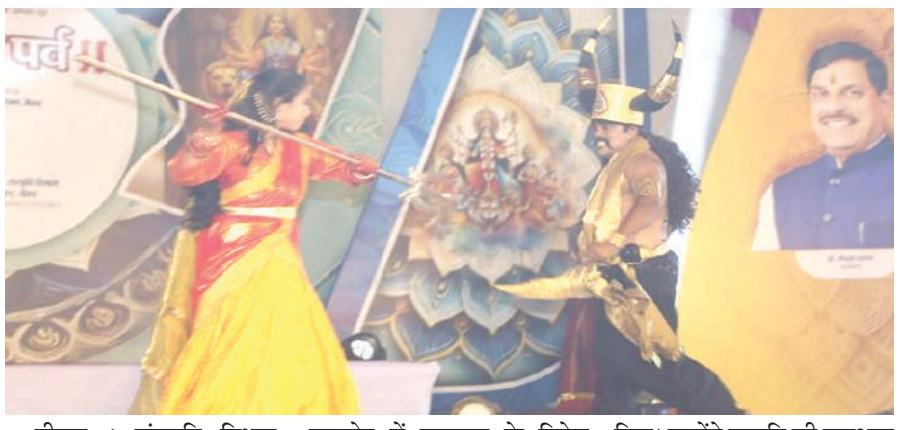

नीमच । संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन एवं जिला प्रशासन नीमच द्वारा शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर "शक्ति पर्व" का आयोजन 22 सितंबर, 2025 की सायं माँ भादवा माता मंदिर में किया गया। कलासाधकों ने लोकगीत, भक्ति गायन और आदि शक्ति को समर्पित नृत्य नाटिका के माध्यम से देवी के वैभव और महिमा को विभिन्न कला रूपों के माध्यम से प्रदर्शित किया। समारोह में शाजापुर के दिनेश कुमार धौलपुरे के लोकगायन, भोपाल के शिवम नागर के भक्ति गीतों और उज्जैन की गार्गी आचार्य एवं साथी नृत्यांगना की 'महिषासुरमर्दिनी' नृत्य नाटिका की प्रस्तुतियाँ हुईं ।

माँ भादवा माता मंदिर के भक्तिमय माहौल के बीच गोधूली बेला में शाजापुर के श्री दिनेश कुमार धौलपुरे ने लोकगायन से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत गणेश वंदना देवा श्री गणेशा... गीत से की।

गीतों के इस अनुक्रम को विस्तारित स्वरूप देते हुए दिनेश ने तुने मुझे बुलाया शेरा वालिये... गीत गाकर माता रानी के श्रीचरणों को नमन किया। लोकगीतों के क्रम को आगे बढ़ाते हुए बिगड़ी मेरी बना दे..., प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी..., चलो बुलावा आया है..., सजा दो घर को गुलशन सा..., कीजो केसरी के लाल..., भोला ना माने मेरा, शंकर ना माने..., बकड़ बम-ब-बम..., माई सबसे बड़ी है तू..., मैया का चोला है रंग लाल..., श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी..., अच्युतम् केशवम् कृष्ण दामोदरम्... के पश्चात श्रीराम जानकी... भजन गाकर अपनी वाणी को विराम दिया।

शाम की ठंडी बयार के बीच उज्जैन की गार्गी आचार्य एवं साथी कलाकार नृत्य नाटिका "महिषासुरमर्दिनी- माँ दुर्गा की विजय गाथा" लेकर नमुदार हुए और मातृ शक्ति की महिमा को मंच पर जीवंत किया। नाटिका माँ दुर्गा की अद्भुत कथा पर देवताओं को आतंकित करने वाले महिषासुर के संहार पर आधारित है। नाटिका में माँ दुर्गा का आह्वान और उनका प्राकट्य दिखाया गया। नाटिका में दिखाया गया कि माँ सभी असुरों का वध कर महिषासुर के दम्भ को तोड़ देती हैं।

माँ और महिषासुर का दिव्य अस्त्र-शस्त्र से भीषण युद्ध होता है और अंत में माँ महिषासुर का भी वध कर देती हैं। विजय उत्सव के साथ प्रस्तुति का समापन होता है। यह नृत्य-नाटिका न केवल माँ दुर्गा की शक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि जब-जब अधर्म बढ़ेगा, तब-तब सत्य और धर्म की विजय निश्चित होगी।

एक दिवसीय समारोह की अंतिम सभा में भोपाल के शिवम नागर ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने गणेश वंदना पालणा में झुला झुले गजानंद... गीत गाकर श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। अपनी प्रस्तुति को विस्तार देते हुए देवी गीत-हो मैया झूमर को छलके के गोरे गाल पे हो माँ..., राम तो घूमतो तो घूमतो जाए मैया थारो गरबो रमवा ने जाए... भक्ति गीत पेश किए। अंत में माय म्हारा अंगना में आज पधार जो..., लोक भजन-जरा धिरे धिरे गाड़ी हांको मेरे राम गाड़ी वाले... गाकर अपनी वाणी को विराम दिया।

प्रारंभ में नीमच मंदसौर जावरा क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता एवं नीमच क्षेत्र के विधायक दिलीप सिंह परिहार ने दीप प्रज्वलित कर शक्ति पर्व का शुभारंभ किया।

स्थानीय सरपंच एवं भादवा माता संस्थान के समिति सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधि गणमान्य नागरिक ग्रामीण जन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नीमच में रेलवे स्टेशन पर चोरी करने वाला गिरफ्तार, दो सोने के मंगलसूत्र बरामद

नीमच । जीआरपी ने मंदसौर और मल्हारगढ़ रेलवे स्टेशनों पर मंगलसूत्र चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मंदसौर जिले के डिगांव माली निवासी विकास शर्मा (25) है। मंगलवार शाम को पुलिस ने उसके पास से 80,000 रुपए कीमत के दो सोने के मंगलसूत्र बरामद किए हैं। जीआरपी नीमच को सूचना मिली थी कि कुछ चोर चलती ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के मंगलसूत्र चुरा रहे हैं। चोर भीड़-भाड़ वाली बोगियों में महिलाओं का ध्यान भटकाकर वारदात को अंजाम देते थे। कई बार पीड़ितों को मंगलसूत्र गायब होने का पता बाद में चलता था। पूछताछ में आरोपी ने मंदसौर और मल्हारगढ़ रेलवे स्टेशनों पर दो वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

सोंधिया राजपूत समाज का हजारों की संख्या में उतरा सड़को पर विरोध प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन, दोषियों पर की कार्रवाई की मांग

नीमच । सोंधिया राजपूत समाज ने एकजुट होकर सड़कों पर उतरकर मंगलवार को बड़ा विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और मारपीट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। यह प्रदर्शन ग्राम रेवली देवली में एक स्कूल में हुई घटना के बाद हुआ। मंगलवार को अखिल भारतीय सोंधिया राजपूत महासभा के बैनर तले हजारों की संख्या में समाज के लोग बाइक और कारों पर सवार होकर शहर में एक बड़ी रैली निकाली। इस रैली में समाज के जिला पंचायत अध्यक्ष राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सज्जन सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष अनिल सिंह जी परिहार युवा संगठन के जिलाध्यक्ष बलवंत सिंह तंवर, और कई अन्य वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण राजवीर सिंह तवर के साथ हुई मारपीट और सोशल मीडिया पर समाज के विरुद्ध की गई अपमानजनक टिप्पणियां हैं। समाज के सदस्यों ने पुलिस पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने दोषियों के खिलाफ पर्याप्त कानूनी धाराएं नहीं लगाईं। रैली दशहरा मैदान से शुरू हुई, जहां समाज के वरिष्ठों ने संबोधित किया। इसके बाद रैली शहर के प्रमुख मार्गों लाइंस पार्क चौराहा विजय टॉकीज चौराहा, भारत माता चौराहा, कमल चौक फवारा चौक, एसपी कार्यालय के सामने होते हुए शिवाजी सर्कल पहुंची। वहां एसडीएम संजीव साहू को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मांग की गई कि अपराधियों के खिलाफ तुरंत सख्त कदम उठाए जाएं और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कार्रवाई हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि सोंधिया राजपूत समाज का इतिहास गौरवशाली है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर पाँच दिनों के भीतर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज एक बड़ा और उग्र आंदोलन करेगा। इस दौरान, प्रदेश सचिव मनोहर सिंह, कमल सिंह, वीरेंद्र सिंह, जिला संगठन मंत्री प्यार सिंह सिसोदिया, पदम सिंह लसूदी तंवर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नवल सिंह तंवर, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सिंह चौहान, मंदसौर जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में समाज मोजूद थे।

सेवा पखवाड़ा के तहत गांवों में स्वच्छता के कार्य हो- पर्याप्त साफ-सफाई करवाएं-कलेक्टर

पंचायतों के माध्यम से गांवों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें

नीमच । सेवा पखवाड़ा के तहत पंचायतों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए जागरूक कर उनमें स्वच्छता के आदत विकसित करें और गांवों में स्वच्छता के कार्य करवाएं। किसी भी गांव, आबादी क्षेत्र में गंदगी या कचरा नजर नहीं आए। पर्याप्त साफ-सफाई हो। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी जनपद सीईओ, एसडीएम को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम नीमच, जावद एवं मनासा तथा सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने एम.पी. आर.डी.सी.जिला प्रबंधक से नीमच सिंगोली सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए , कि पांच माह हो गये है, अभी तक ठेकेदार ने सड़क निर्माण का मुख्य कार्य प्रारंभ नहीं किया है। इसके लिए एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक को पत्र लिखवाएं और तत्काल सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करवाएं। उन्होने हिंगोरिया रेल्वे फाटक पर निर्माणाधीन ओव्हर ब्रीज निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देश दिए, कि निर्माणाधीन ब्रीज के समीप दोनो ओर डायवर्सन मार्ग को ठेकेदार से तत्काल सुधरवाए, जिससे कि आमजनों को आवागमन में कोई असुविधा ना हो। बैठक में सभी जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का अभी से संतुष्टीपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेण्डर्स को जागरूक कर योजना का लाभ दिलाने के लिए पंजीयन करवाने के निर्देश नगरीय निकायों को दिए गये। कलेक्टर ने स्वीकृत सभी प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्यो को दिसम्बर अंत तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करवाने के निर्देश भी संबंधित निकायों को दिए।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

टैरिफ चुनौती के बीच आर्थिक रफ्तार

डा. जयंतीलाल भंडारी

उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स कर कानूनों में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे।

क कीनन इस समय टैरिफ की चुनौती के बीच भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और अब कर सुधारों से अर्थव्यवस्था की गति को पंख लगते हुए दिखाई देंगे। हाल ही में 19 सितंबर को दुनिया की प्रसिद्ध जापान की ग्लोबल रेटिंग एजेंसी रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इंफार्मेशन (आरएंडआई) ने कहा कि अमेरिका के द्वारा भारत पर ऊंचे टैरिफ लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था बढ़े की प्रवृत्ति दिखा रही है। ऐसे में भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को एक पायदान ऊपर करते हुए बीबीबी प्लस किया गया है। इसके पहले भी पिछले दिनों एसएंडपी और मार्निंग स्टार डीबीआरएस जैसी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। गौरतलब है कि हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार है। इन दिनों हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स में किए गए नए सुधारों और नई व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी, वरन देश विकसित राष्ट्र बनने की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। जीएसटी और इनकम टैक्स में किए गए बदलाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह आम लोगों के जीवन में खुशहाली का डबल धमाका है।

इनकम टैक्स में मिली 12 लाख तक की छूट के बाद अब जीएसटी की दरों में की गई कटौती से घरों का बजट सुधरेगा, आम लोगों की बचत बढ़ेगी और मध्यम वर्गीय लोगों की क्रयशक्ति में भी बड़ा इजाफा होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधारों से इसी वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई दे सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 9 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में कर दरों में कमी किए जाने से निजी उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास मजबूत होगा। साथ ही इससे महंगाई में भी कमी आएगी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि 10 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। गौरतलब है कि 22 सितंबर से लागू नए ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों के तहत मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी व्यवस्था के रूप में रणनीतिक पूर्वक आगे बढ़ाया गया है। हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू किया गया है। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय की जीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी।

मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़े से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 48000 करोड़ रुपए के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढगी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढ़े से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। निश्चित रूप से जिस तरह केंद्र सरकार जीएसटी में आमूल बदलाव की डगर पर आगे बढ़ी है, उसी तरह सरकार इनकम टैक्स को आसान और राहतकारी बनाने के लिए भी तेजी से आगे बढ़ी है। इनकम टैक्स बिल 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब कानून बन गया है। यह कानून मौजूदा इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लेते हुए एक अप्रैल 2026 से लागू किया जाएगा। वस्तुतः नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट होगा। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होगा। इस नए कानून के तहत टैक्स कानूनों के मकडजाल को खत्म कर एक ऐसी प्रणाली निर्मित होगी, जो सहज और आम टैक्सपेयर के लिए लाभकारी हो और इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए तत्पर हों। खास बात यह है कि मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। खास बात यह भी है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं और इसमें 5 लाख से ज्यादा शब्द हैं।

ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून 2025 एक अत्यंत सराहनीय कदम है। नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया इनकम टैक्स कानून भाषा को आसान बनाने के साथ ही कटौतियों को स्पष्ट करता है और विभिन्न प्रावधानों के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय, जिसमें मानक कटौती और गृह ऋण पर निर्माण-पूर्व ब्याज शामिल है, से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाते हुए उसके पेजों की संख्या को आधी कर दिया गया है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है। उम्मीद करें कि 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली के साथ-साथ एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून के तहत नए बदलाओं के कार्यान्वयन पर सरकार शुरूआत से ही इस तरह ध्यान देगी कि इन कानूनों की सरलता से देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हों और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित हो। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स कर कानूनों में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

संपादकीय

ट्रंप का वीजा बम

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोजाना कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार और भारतीय निशाने पर आ जाते हैं। ट्रंप आड़ तो अपने देश के युवाओं के रोजगार बढ़ाने की ले रहे हैं, लेकिन हमला भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर कर रहे हैं। अभी अमेरिका से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क का मामला सुलझा भी नहीं है कि ट्रंप ने एच1बी वीजा का बम गिरा दिया है। एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया है। इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों, जिनमें बड़ी संख्या में आईटी से जुड़े हैं, पर गंभीर असर पड़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने असर की झांकी दिखा दी है। अमेरिका का दावा है कि एच1बी वीजा का बहुत दुरुपयोग होता है। इसकी शुरूआत उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति देने के लिए की गई थी, जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं, जहां अमेरिकी काम नहीं करते। 100,000 डॉलर के शुल्क के बाद सुनिश्चित होगा कि वास्तव में कुशल लोग ही अमेरिका आएं और अमेरिकी कामगारों का स्थान नहीं लें। ट्रंप का तर्क है कि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष 281,000 लोगों को अमेरिका में प्रवेश मिलता है, तथा ये लोग औसतन प्रति वर्ष 66,000 अमेरिकी डॉलर कमाते हैं तथा सरकारी सहायता कार्यक्रमों का भारी लाभ उठाते हैं। हम इसे बंद करने जा रहे हैं। इस कदम का उन भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ेगा जिन्हें प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां और अन्य कंपनियां एच1बी वीजा पर नियुक्त करती हैं। ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं, जिन्हें तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। आदेश के कुछ घंटों बाद शनिवार को अमेरिका में एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों में भ्रम व चिंता व्याप गई। कई भारतीयों ने भारत यात्रा की अपनी योजना रद्द कर दी। जो भारत आए हुए थे उनमें जल्द से जल्द लौटने की मारामारी मच गई। हालांकि बाद में कहा गया कि यह शुल्क नये आवेदकों पर ही लागू होगा। पुराने वीजा धारक प्रभावित नहीं होंगे। कांग्रेस पार्टी अमेरिका के फैसले के बाद प्रधानमंत्री मोदी पर हमलावर हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने तल्ख टिप्पणी की कि आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है, उससे भारतीय नागरिकों को दुख हुआ है। गले मिलना, खोखले नारे लगवाना और संगीत कार्यक्रम करवाना कोई विदेश नीति नहीं है। हमें अपने हितों के लिए गंभीर होना होगा।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार ह्यग्राहमबेलह्न बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि हृदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे हृदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और आँतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

जमीन विवाद खूनी संघर्ष, दोनों पक्षों के 6 पर क्रास केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 23 सितम्बर (निप्र)। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम लोध कुंडीखेडा में जमीन के पुराने विवाद ने दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पहले पक्ष में देवीलाल (उम्र 43) पुत्र नन्दराम, जाति माली निवासी लोध कुंडीखेडा ने बताया कि वे और कनीराम माली अपने खेत में सोयाबीन काट रहे थे। लगभग दोपहर 12 बजे दशरथ पिता कनीराम सहित किशोर और कनीराम पिता भागीरथ वहां आकर बोले कि यह उनकी जमीन है और सोयाबीन काटना बंद करें। देवीलाल ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान तीनों ने मुझे व मेरे परिजनों को गालियाँ देना शुरू कर दिया। मैंने विरोध किया तो दशरथ ने दराते से वार कर दिए जिससे मेरे दोनों कंधे और बाया हाथ चोटिल हुआ। साथ ही मेरा बेटा नितेश तथा पत्नी दुर्गाबाई बीच-बचाव के लिए आए तो उनपर भी दराते से हमला किया गया ।

जिससे नितेश के दाहिने हाथ व दुर्गाबाई की हथेली पर चोटें आईं। दूसरे पक्ष की ओर से दशरथ (29) पिता कनीराम निवासी लोध कुंडीखेडा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि देवीलाल, उसकी पत्नी दुर्गाबाई और पुत्र नितेश कथित विवादित भूमि पर सोयाबीन काट रहे थे। दशरथ का कहना है कि जब फसल काटने से मना किया तो देवीलाल ने गाली-गलौज की और देवीलाल ने दराते से वार कर दिए जिससे मेरे सिर व बाएं कंधे पर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि नितेश ने भी दराते से वार किया, जिससे उनकी दाहिने हाथ की उंगली घायल हुई। मेरे भाई किशोर ने बीच बचाव किया तो उसे भी सिर व पीठ पर चोटें आईं। पुलिस ने दोनों पक्षों के सभी छह आरोपियों पर केस दर्ज किया।

मारपीट में चाचा के पैर में फ्रैक्चर आया, भतीजे पर केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 23 सितम्बर (निप्र)। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर में कचरा डालने की मामूली बात पर चाचा-भतीजे के बीच झगड़ा मारपीट तक पहुंच गया। इस झगड़े में चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर भतीजे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फरियादी नाहरसिंह बावरी (59) पिता जमनालाल निवासी फतेहपुर ने थाने में रिपोर्ट दी कि 14 सितम्बर को सुबह वह अपने घर के सामने कचरा डाल रहा था। इसी बात को लेकर उसका भतीजा प्रहलाद बावरी, निवासी फतेहपुर, उनसे उलझ गया। प्रहलाद ने कहा कि यहां कचरा मत डालो, जिस पर नाहरसिंह ने जवाब दिया कि यह उसकी जगह है। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और प्रहलाद ने गाली-गलौज करते हुए उनसे मारपीट कर दी।

मारपीट के दौरान फरियादी नाहरसिंह के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई। एक्स-रे रिपोर्ट में नाहरसिंह के दाहिने पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रहलाद बावरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

लॉयंस क्लब नीमच को 2704 वाँ नेत्रदान बारोड़ परिवार से प्राप्त

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। पीड़ित मानवता की सेवा को समर्पित लॉयंस क्लब्स इंटरनेशनल की ईकाई लॉयंस क्लब नीमच द्वारा अन्धत्व निवारण के लिए जारी नेत्रदान अभियान के तहत् दिनांक 22/9/2025, सोमवार को महागढ़ निवासी बारोड़ परिवार की वयोवृद्ध श्रीमती मोड़ीबाई बारोड़ धर्मपत्नी बद्रीलालजी बारोड़ (तेली) के 75 वर्ष की आयु में देहावसान पश्चात् स्वप्रेरणा से परिजनों नेत्रदान सम्पन्न कराए। यह नेत्रदान सत्र का 5 बाँ एवं अब तक का 2704 वाँ नेत्रदान है।

विधायक, कलेक्टर एवं एस.पी. ने भादवा माता में नवरात्रि मेला तैयारियों का जायजा लिया, आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

नीमच 22 सितंबर (निप्र)। जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र ,आरोग्य स्थल महामाया मां भादवा माताजी में सोमवार 22 सितम्बर 2025 से शारदीय नवरात्रि पर्व शुरू हो रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भादवामाता जी में नवरात्रि मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में लाखों श्रद्धालु माताजी के दर्शन करने आएंगे ।

भादवामाता में आयोजित होने वाले नवरात्रि मेले में आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर रविवार कों विधायक नीमच दिलीपसिंह परिहार, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, एस.पी. अंकित जायसवाल ने भादवा माता में मेला परिसर, माताजी के दर्शन करने आने जाने के रूट कों देखा और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। नवरात्रि के दौरान पार्किंग व्यवस्था, मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश की व्यवस्था आदि विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए । इस मौके पर संस्थान के एसडीएम संजीव साहू, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यगण एवं कर्मचारियों तथा श्रद्धालु उपस्थित थे । विधायक, कलेक्टर एवं एस.पी. ने भादवामाता मंदिर पर धर्म ध्वजा चढ़ाई और महाआरती में भी भाग लिया।

मंदिर का परिचय :- महामाया मां भादवा माता मंदिर नीमच जिला मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर ग्राम भादवा माता में स्थित है। यह मंदिर मालवा की वैष्णो देवी के नाम से प्रसिद्ध है और लगभग 800 साल पुराना है। मंदिर में देवी मां की मूर्ति अतिप्राचीन व चमत्कारी मानी जाती है।

मंदिर की मान्यताएं :- देवी मां के दर्शन मात्र से बड़े से बड़ा रोग ठीक हो जाता है। मंदिर परिसर में बनी बावड़ी के पानी से लकवा सहित गंभीर रोग ठीक हो जाते हैं। मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित है, जिसके दर्शन व पूजन का विशेष महत्व है।

नवरात्रि के दौरान मंदिर में भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें लाखों की संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं। नववर्ष पर भी मंदिर में विशेष आयोजन होते हैं और भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा होती है।

मंदिर की विशेषताएं:- मंदिर परिसर में एक प्राचीन बावड़ी है, जिसका पानी चमत्कारी माना जाता है। मंदिर में देवी मां के चरणों में चांदी के बकरे व मुर्गे अर्पित किए जाते हैं। मंदिर को प्रसिद्ध आरोग्य स्थल के रूप में जाना जाता है, जहां भक्त अपने रोगों से मुक्ति पाने के लिए आते हैं।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के मामले में दम्पत्ति गिरफ्तार, कोर्ट ने जेल भेजा

पिपलिया मण्डी 23 सितम्बर (निप्र)। टकरावद निवासी युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहाँ से दोनों को जेल भेजने के आदेश दिए गए। मामला रिश्तेदारी में विवाद और प्रताड़ना से जुड़ा हुआ है।

जानकारी के अनुसार टकरावद निवासी कांतिलाल उर्फ कान्तू पाटीदार ने 8 सितम्बर 2025 को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद से ही पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान सामने आया कि मृतक को लगातार परेशान किया जा रहा था। मृतक के मामा का लड़का राहुल पाटीदार निवासी महागढ़, थाना मनासा, जिला नीमच और उसकी पत्नी रानू पाटीदार ने कांतिलाल के साथ मारपीट की थी।

इतना ही नहीं, उन्होंने उसे रिश्तेदारी में बदनाम करने की धमकी भी दी थी। पुलिस के अनुसार इसी प्रताड़ना और बदनामी के डर से युवक मानसिक दबाव में आ गया और उसने आत्मघाती कदम उठाया। बूढ़ा चौकी प्रभारी शुभम व्यास ने बताया कि मामले की पड़ताल में साफ हुआ कि दम्पत्ति की मारपीट और धमकी आत्महत्या के लिए प्रत्यक्ष कारण बने। इस आधार पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दम्पत्ति राहुल और रानू पाटीदार को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेजने के आदेश जारी किए गए।

सेवा पखवाडा के तहत नीमच एवं धामनिया में निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

नीमच । आयुष विंग नीमच द्वारा आगनवाड़ी केंद्र12 नीमच में पोषण पखवाड़ा के तहत शिविर आयोजित किया गया। डॉ.संध्या दाहिमा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने पोषण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय धामनिया द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में रोगियों को दिनचर्या, ऋतुचार्य एवं तनाव प्रबंधन की जानकारी दी एवं पोषण स्वास्थ्य के बारे में बताया।

शिविर में डॉ.निकिता बघेल एवं नीलम माहोर ने अपनी सेवाएं दी।

ट्रैक्टर के डीजल टैंक में स्कीम बनाकर अफीम ले जाने वाला तीन दिन पुलिस रिमाण्ड पर

पिपलिया मण्डी 23 सितम्बर (निप्र)। मल्हारगढ़ पुलिस ने ट्रैक्टर के डीज़ल टैंक में स्कीम बनाकर 9 किलो 100 ग्राम अफीम ले जाते जिस तस्कर को गिरफ्तार किया था, उसे न्यायालय ने तीन दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंप दिया है। पूछताछ में सामने आया कि यह अफीम उदयपुर तक पहुँचाई जानी थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के पिता को भी सह-आरोपी बनाया है जो फिलहाल फरार है। घटना 20 सितम्बर की शाम की है। मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस टीम भैंसाखेड़ा फंटे एक ट्रैक्टर के डीज़ल टैंक में स्कीम बनाकर छिपाई गई 9 किलो 100 ग्राम अफीम बरामद की थी। मौके पर मौजूद चालक सत्यनारायण बैरागी उम्र 45 वर्ष निवासी गिरदोड़ी थाना रंठाजना जिला प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अफीम व टेक्टर-ट्राली जब्त कर आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को 25 सितम्बर तक पुलिस रिमाण्ड पर सौंप दिया। रिमाण्ड के दौरान आरोपी से पुलिस पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी के पास अफीम का कोई वैध पट्टा नहीं है। आरोपी ने कबूल किया कि अफीम उसके पिता लक्ष्मीनारायण ने ट्रैक्टर के टैंक में भरवाई थी और उसे उदयपुर तक पहुँचाने का निर्देश दिया था। संभावना जताई जा रही है कि यह खेप किसी बड़े तस्कर तक पहुँचाई जानी थी। मल्हारगढ़ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया कि मामले में आरोपी के पिता लक्ष्मीनारायण को भी सह आरोपी बनाया गया है। लक्ष्मीनारायण फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि लक्ष्मीनारायण के पकड़ में आने के बाद इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकेगा कि अफीम कहाँ से लाई गई थी और आखिर इसे उदयपुर में किसे सप्लाई किया जाना था।

बघाना थाना पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

नाबालिग से दुष्कर्म का फरार आरोपी महाराष्ट्र से पकड़ा

साइबर सेल की मदद और पुलिस के तकनीकी प्रयासों से बदमाश को दबोचा, 5000 रुपये का इनामी था घोषित

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। बघाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आरोपी पर पुलिस ने पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन और थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी के नेतृत्व में गठित टीम ने साइबर सेल की मदद से आरोपी को महाराष्ट्र के इचलकरंजी से गिरफ्तार किया।

23 अप्रैल 2022 से फरार चल रहा था आरोपी - 23 अप्रैल 2022 को बघाना थाने में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी का अपहरण कर लिया गया है। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने पीड़िता को अलवर जिले के बाणसूर थाना क्षेत्र के काना वाली ढाणी में नरेश कुमार कश्यप के मकान से बरामद किया। मेडिकल जांच में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

पांच बार दी दबिश, पर हाथ नहीं आया - पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई। टीम ने उसके घर पर पांच बार दबिश दी, लेकिन हर बार वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। लगातार प्रयासों और साइबर सेल की मदद से पुलिस को आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के इचलकरंजी में मिली। वहां दबिश देकर पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी नरेश उर्फ नरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने के बाद पुलिस आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश कर चुकी है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक नीलेश अवस्थी, उप निरीक्षक रामकिशन सिंघावत और साइबर सेल की टीम का विशेष योगदान रहा।

क्या आप भी बार- बार करवाते हैं फेस क्लीन-अप ? तो जानिए इसके फायदे हैं या नुकसान

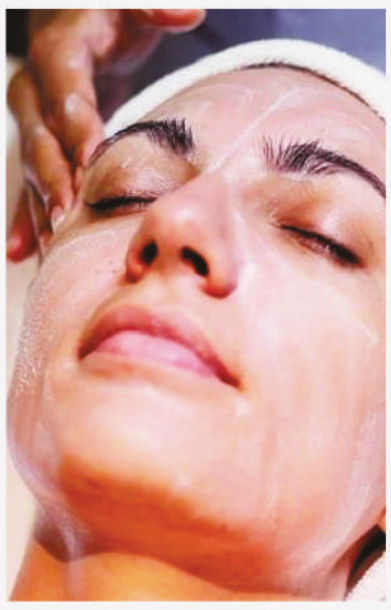

आजकल फेस क्लीन-अप स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा बन गया है। कई लोग इसे हर महीने करवाते हैं ताकि चेहरा साफ और ग्लोइंग बना रहे। लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होता है कि क्या सचमुच मासिक फेस क्लीन-अप सुरक्षित हैं नहीं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब।

फेस क्लीन-अप क्या है?

फेस क्लीन-अप एक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें चेहरे की गहराई तक सफाई की जाती है। इसमें क्लींजिंग, स्क्रबिंग, स्टीम, ब्लैकहेड/व्हाइटहेड रिमूवल और फेस पैक लगाया जाता है। यह फेशियल से हल्का और कम समय लेने वाला होता है।

मासिक फेस क्लीन-अप के फायदे

गहराई से सफाई- इससे धूल, मिट्टी, पसीना और ऑयल के कारण जमी गंदगी हटती है।

एक्ने और ब्लैकहेड्स में राहत- इससे पोर्स साफ हो जाते हैं जिससे पिंपल्स कम होते हैं।

ग्लोइंग स्किन- डेड स्किन सेल्स हटने से चेहरा चमकने लगता है।

खून का संचार बेहतर- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन हेल्दी दिखती है।

कम खर्चीला- यह फेशियल से सस्ता और जल्दी हो जाने वाला प्रोसेस है।

किन बातों का ध्यान रखें?

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को हर महीने क्लीन-अप करने से जलन, लालिमा या एलर्जी हो सकती है। बार-बार स्क्रबिंग या स्टीम लेने से ड्रायनेस और इरीटेशन हो सकती है। अगर किसी को एक्टिव एक्ने, रैशेज या स्किन डिज़ीज है तो पहले डॉक्टर या डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लें। क्लीन-अप हमेशा साफ-सुथरे और प्रोफेशनल सैलून/क्लिनिक में ही करवाएं।

किसे कितनी बार करवाना चाहिए?

ऑयली या नॉर्मल स्किन वालों के लिए महीने में एक बार क्लीन-अप करवाना फायदेमंद है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन के लिए 6-8 हफ्तों में एक बार ही पर्याप्त है। पिंपल्स/एलर्जी प्रोन स्किन वाले डॉक्टर की सलाह पर ही क्लीन-अप करवाएं। मासिक फेस क्लीन-अप ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, बशर्ते यह आपकी स्किन टाइप के हिसाब से और सही तरीके से किया जाए।

क्या आप भी रोज फाउंडेशन लगाते हैं?

आज के जमाने में मेकअप महिलाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। खासकर फाउंडेशन का इस्तेमाल चेहरे की त्वचा को एक समान टोन देने, दाग-धब्बों और असमान रंगत को छुपाने के लिए किया जाता है। फाउंडेशन से चेहरे का लुक निखरता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना फाउंडेशन लगाने से आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है? यह आर्टिकल उन खतरों को विस्तार से समझाएगा, जो फाउंडेशन के निरंतर उपयोग से हो सकते हैं, साथ ही इन नुकसान से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी देगा।

फाउंडेशन क्या है और क्यों इस्तेमाल करते हैं?

फाउंडेशन एक प्रकार का मेकअप प्रोडक्ट है जो चेहरे की रंगत को एक समान बनाता है और त्वचा की खामियों को छुपाता है। यह कई तरह के फॉर्मूलों में आता है। लिक्विड, पाउडर, क्रीम या स्टिक के रूप में। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य चेहरे को एकदम फ्रेश, स्मूथ और चमकदार बनाना होता है।

रोजाना फाउंडेशन लगाने के नुकसान

1. पोर क्लॉगिंग

फाउंडेशन में कई बार भारी क्रीम्स और केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा के पोर्स को बंद कर देते हैं। पोर्स बंद होने से त्वचा सांस नहीं ले पाती और इससे पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। अगर पोर्स लगातार बंद रहे तो त्वचा की स्वाभाविक सफाई में बाधा आती है।

2. त्वचा की सांस लेने की क्षमता कम होना

त्वचा भी एक जिंदा अंग है जिसे ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जब आप रोजाना फाउंडेशन लगाते हैं, तो त्वचा की सतह पर एक परत जम जाती है जो ऑक्सीजन के प्रवेश को रोकती है। इससे त्वचा का नेचुरल ग्लो कम हो जाता है और आपकी त्वचा दम तोड़ने लगती है।

3. त्वचा की जलन और एलर्जी

फाउंडेशन में मौजूद केमिकल्स, परफ्यूम और प्रिजर्वेटिव्स कई बार त्वचा के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। खासकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को फाउंडेशन से रैशेस, खुजली और सूजन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस लिए रोज- रोज फाउंडेशन नहीं लगाना चाहिए।

4. त्वचा का रूखा होना

कई फाउंडेशन त्वचा से नमी सोख लेते हैं जिससे त्वचा रूखी, खुरदरी और बेजान दिखने लगती है। सूखी त्वचा पर फाउंडेशन ठीक से नहीं लगता, जिससे मेकअप का लुक भी खराब होता है।

5. त्वचा की उम्र जल्दी बढ़ना

फाउंडेशन में मौजूद कुछ हार्श केमिकल्स त्वचा के प्राकृतिक कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और झुर्रियों, लाइनें पड़ने लगती हैं।

6. धूप से नुकसान और टैनिंग

अधिकतर फाउंडेशन में पर्याप्त स्क्रीन नहीं होता, जिससे त्वचा सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से सुरक्षित नहीं रहती। इसके कारण त्वचा टैनिंग, डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों का शिकार हो सकती है।

7. त्वचा में बैक्टीरिया का विकास

रोजाना मेकअप के कारण त्वचा की सफाई ठीक से न हो पाये तो त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे चेहरे पर फोड़े-फुंसी, संक्रमण और सूजन की समस्या हो सकती है।

फाउंडेशन लगाने से होने वाले और भी संभावित नुकसान

मुंहासे की समस्या बढ़ना : क्लॉग्ड पोर्स और त्वचा पर जमा मैल मुंहासे को बढ़ावा देते हैं।

त्वचा का रंग फीका पड़ना- लगातार केमिकल्स के संपर्क में रहने से त्वचा का प्राकृतिक रंग फीका पड़ सकता है।

त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ना: केमिकल प्रोडक्ट्स की वजह से त्वचा और अधिक संवेदनशील हो जाती है और पर्यावरणीय कारकों का असर ज्यादा होता है।

फाउंडेशन लगाने से बचने और त्वचा को स्वस्थ रखने के टिप्स

1. हर दिन मेकअप हटाएं : रोजाना फाउंडेशन लगाने के बाद रात को सही तरीके से मेकअप हटाना बहुत जरूरी है। मेकअप रिमूवर या क्लीनिंग ऑयल का इस्तेमाल करें और चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं। इससे पोर्स खुलेंगे और त्वचा सांस ले सकेगी।

2. हल्का फाउंडेशन या बी.बी.क्रीम चुनें - रोजाना के इस्तेमाल के लिए भारी और मोटे फॉर्मूले वाले फाउंडेशन की जगह हल्का, ऑयल फ्री और स्किन फ्रेंडली बी.बी. क्रीम या टिंटेड मॉइस्चराइजर का चयन करें।

3. मॉइस्चराइजर और प्राइमर जरूर लगाएं : फाउंडेशन लगाने से पहले त्वचा को मॉइस्चराइजर से हाइड्रेट करें। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन की परत त्वचा पर अच्छी तरह चिपकती है और मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है।

4. साप्ताहिक स्किन केयर रूटीन अपनाएं : हफ्ते में एक या दो बार एक्सफोलिएशन और डीप क्लीनिंग करें ताकि मृत त्वचा की परत हटे और पोर्स साफ़ रहें। जिससे चेहरा चमकने लगे।

5. सनस्क्रीन का उपयोग करें : फाउंडेशन के ऊपर भी एक अच्छा एसपीएफ वाला सनस्क्रीन लगाना न भूलें। यह त्वचा को यूवी किरणों से बचाता है और टैनिंग से रोकता है।

6. त्वचा को आराम दें : सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन बिना फाउंडेशन के बिताएं ताकि त्वचा को सांस लेने का मौका मिले और वह पुन: स्वस्थ हो सके।

7. नेचुरल और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स चुनें : जिन फाउंडेशन में हानिकारक केमिकल्स नहीं होते, वे आपकी त्वचा के लिए बेहतर होते हैं। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान कम होता है और नैचुरल ग्लो भी मिलता है।

फाउंडेशन का सही इस्तेमाल आपकी खूबसूरती को निखार सकता है, लेकिन इसका रोजाना और अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पिंपल्स, ड्राईनेस, एलर्जी, और बुढ़ापा जैसे कई नुकसान फाउंडेशन के गलत और ज्यादा इस्तेमाल से हो सकते हैं। इसलिए मेकअप के साथ-साथ अपनी त्वचा की देखभाल पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। सही प्रोडक्ट चुनें, नियमित रूप से त्वचा की सफाई करें, और त्वचा को आराम भी दें।

कम बजट और कम समय में घर की सजावट

आज के समय में लोग अपने घर के इंटीरियर को खूबसूरत लुक देने के लिए कई तरह के प्रयोग करते हैं. कई तरह की थीम का चुनाव कर आकर्षक बनाते हैं. जिसमें अच्छा खासा पैसा भी खर्च किया जाता है. इंटीरियर आज के समय की मांग है जिसे ज्यादातर लोग करवाना पसंद करते हैं. बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो अपने घर का इंटीरियर लुक बदलना तो चाहते हैं लेकिन उनके पास इसके लिए अच्छा बजट नहीं होता या फिर समय की कमी होती है. यदि आप भी कम खर्च और कम समय में अपने घर को सुन्दर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है. हम आपको बताते हैं कि किस तरह आप कम खर्च और कम समय में अपने घर को एक आकर्षक लुक दे सकते हैं.

रंग/प्रकार के आधार पर समूह बनाएं

रंग/प्रकार सभी घर की सजावट के विचारों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार है। क्यूरियोस को अलग दिखाने के लिए, उन्हें घर के चारों ओर बिखेरने के बजाय रंग के आधार पर समूहीकृत करने पर विचार करें। आप अपने घर में क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए सजावट की वस्तुओं को रंग, रूप या प्रकार के आधार पर समूहीकृत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, भोजन क्षेत्र नीला हो सकता है, जबकि एक खुली मंजिल की योजना में रहने की जगह बरगंडी टोन लेती है। इसी तरह, आप लिविंग एरिया में फ्लोटिंग शेल्फ या कैबिनेट पर क्यूरियोस और डाइनिंग स्पेस या हॉलवे में प्राचीन वस्तुओं या संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित कर सकते हैं।

खेल-खेल में पुनः उपयोग करें

आपको अपने घर को सजाने के लिए हमेशा नई चीजें खरीदने की जरूरत नहीं है। अपने पास जो कुछ भी है उसे देखें और सोचें कि उसे कैसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या कोई पुराना दरवाजा हेडबोर्ड बन सकता है? इसी तरह, एक टोकरी पेंडेंट लैंपशेड बन सकती है। अपने घर की सजावट को निजीकृत करने के लिए पुरानी चीजों को फिर से इस्तेमाल करने के बारे में सोचें।

मौसम के अनुसार खिड़कियों का ख्याल रखें

आप खिड़कियों को जिस तरह से सजाते हैं, वह आपके घर के बारे में बहुत कुछ बताता है। छत से लटके मुलायम पर्दे कमरे को रोमांटिक लुक देते हैं, जबकि वैलेंस एक ठाठ कॉटेज लुक को पूरा करते हैं। खिड़कियों के उपचार कार्यात्मक भी होते हैं - वे गोपनीयता बनाए रखते हैं और सूरज की रोशनी के प्रवाह को सीमित करते हैं। मौसम के साथ खिड़कियों के उपचार को बदलने से आपके घर का समग्र रूप बदल सकता है और एक आरामदायक इनडोर तापमान बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसलिए सूरज की रोशनी को अंदर आने देने वाले पर्दे सर्दियों के लिए आदर्श होते हैं जबकि भारी फर्श-लंबाई वाले पर्दे गर्मियों के मौसम के लिए उपयुक्त होते हैं।

बनावट में विविधता लाएं

जैसे आपके घर में अलग-अलग रंग होते हैं, वैसे ही आपको अलग-अलग बनावट की भी जरूरत होती है। अलग-अलग बनावट होने से गहराई पैदा होती है। कुछ बनावट, जैसे जूट और रेशम, स्पर्शनीय होती हैं। इसके विपरीत, अन्य, जैसे वॉलपेपर, दृश्य बनावट बनाते हैं। कभी-कभी, एक ही रंग के कपड़ों की अलग-अलग बनावट भी कमरे को ज्यादा घर जैसा बना सकती है।

ऑफ-ग्रिड जाएं

ग्रिड एक आम होम डेकोर आइडिया है, लेकिन हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि आपको हमेशा चीजों को सीधी रेखाओं में रखने की जरूरत नहीं है। जब आप गैलरी की दीवार बना रहे हों, तो इसे और अधिक ऑर्गेनिक लुक देने के लिए फ्रेम के आयामों और आकृतियों के साथ खेलें। इसी तरह, आप अपने फर्नीचर की व्यवस्था करते समय एक सुसंगत अपील प्रदान करने के लिए आसानी से और रचनात्मक रूप से विभिन्न कोणों के साथ खेल सकते हैं।

फर्नीचर और सजावट की वस्तुओं को इधर-उधर ले जाएं

किसी जगह का रूप बदलने का सबसे आसान तरीका है चीजों को इधर-उधर करना। अपने सोफ़े और आरामकुर्सियों की जगह बदलें। पतझड़ के मौसम के लिए एक बेंच को लिविंग रूम में ले जाएँ, और इसी तरह। सर्दियों में गलीचे और कालीन बिछाएँ ताकि एक आरामदायक लुक मिले। गर्मियों में हरियाली के लिए बड़े पौधे और फूलों के कलश लगाएँ।

एक स्टेटमेंट पीस लाएँ

चाहे वह दीवार पर लगी पेंटिंग हो, विंग चेयर की जोड़ी हो या झूमर, एक ऐसा डेकोर पीस ढूंढें जो आपकी पहचान को दर्शाता हो और उसे एक फोकल पीस के रूप में स्टाइल करें। जब आपके पास एक स्टेटमेंट पीस हो जो सभी का ध्यान आकर्षित करता हो, तो आप अपनी बाकी सजावट को जितना चाहें उतना कम रख सकते हैं।

रंगीन रोशनी का प्रयोग करें

अपने कमरे के लुक को बदलने के लिए अलग-अलग रंग के लाइट बल्ब का इस्तेमाल करें - दिन के लिए सफ़ेद लाइट और पार्टी के लिए गुलाबी? आज के स्मार्ट बल्ब आपको हर बार बल्ब बदले बिना अलग-अलग मूड के हिसाब से रंग बदलने देते हैं।

अपने संग्रह का प्रदर्शन करें

घर की सजावट के लिए संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शन इकाईअपने घर की सजावट की शैली से अपने जुनून को दर्शाएं

अपने आसनों को परतदार बनायें

जब आपके घर में गर्माहट लाने की बात आती है तो गलीचे से बेहतर कुछ नहीं है। यह आलीशान लगता है। अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, अपने गलीचे को परत-दर-परत बिछाएँ। एक बड़ा, तटस्थ गलीचा आधार के रूप में अच्छा काम करता है। इसके साथ एक छोटे से विपरीत रंग का गलीचा बिछाएँ। आदर्श रूप से ऊपर का गलीचा नीचे वाले गलीचे के कम से कम 2/3 आयाम का होना चाहिए। अपने कीमती सीपों और छोटी कारों के संग्रह को बक्सों में बंद करके रखने के बजाय, उन्हें अपने घर में सजाएँ। इन संग्रहणीय वस्तुओं के लिए एक डिस्प्ले यूनिट बनाएँ; वे जल्द ही आपके सभी मेहमानों के लिए चर्चा का विषय बन जाएँगे।

अपने प्रवेश द्वार में जीवन जोड़ें

प्रवेश द्वार वह स्थान है जो आपके मेहमानों का स्वागत करता है। वह स्थान जो आपके घर के बारे में पहली छाप बनाने में मदद करता है। इसलिए, हमारा सुझाव है कि आप उस स्थान में थोड़ी जान डालें। अपने प्रवेश द्वार को दिलचस्प बनाने का एक आसान तरीका गमले में लगे पौधे या एक बड़ी दीवार का टुकड़ा लगाना है।

आरोप : पीड़ित के निरक्षर होने का झांसेबाज ने उठाया गलत फायदा

केवाईसी अपडेट के नाम पर हड़प कर ली किसान की जमीन

भोलियावास गांव में बड़ा फर्जीवाड़ा, पीड़ित किसान ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। जिले के भोलियावास गांव में किसान के साथ धोखाधड़ी कर जमीन हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव के ही रामगोपाल धाकड़ ने अपने परिचित और निरक्षर किसान मोहनलाल बागरी को केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर झांसा देकर उसकी कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा अपने नाम करवा लिया।

भरोसा जीत कर रची साजिश - जानकारी के अनुसार, मोहनलाल बागरी केवल हस्ताक्षर करना जानते हैं। इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए रामगोपाल ने उन्हें समझाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए केवाईसी अपडेट कराना जरूरी है। भरोसा जीतने के बाद

उसने तहसील कार्यालय में फर्जी विक्रय पत्र तैयार करवा लिया और मोहनलाल की 22 आरी कृषि भूमि में से 12 आरी जमीन अपने नाम दर्ज करा ली।

खेत पर पहुंचा तो हुआ खुलासा - फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ तब हुआ जब मोहनलाल बुआई करने के लिए अपने खेत पर पहुंचे। वहां रामगोपाल और उसके परिजन ने जमीन खरीदने का दावा किया और मोहनलाल को खेत में प्रवेश करने से रोक दिया। पीड़ित किसान का आरोप है कि आरोपी परिवार ने न सिर्फ जमीन पर कब्जा किया, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी और जातिसूचक गालियां देकर अपमानित भी किया।

पीड़ित परिवार की फरियाद - अपनी जमीन बचाने और न्याय की गुहार लेकर मोहनलाल बागरी परिवार सहित एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि रामगोपाल ने उनकी भोलेपन और निरक्षरता का फायदा उठाकर धोखाधड़ी की है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और कब्जाई गई भूमि वापस दिलाई जाए।

गांव में आक्रोश, कार्रवाई की मांग तेज - इस घटना से पूरे गांव में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ऐसे फर्जीवाड़ों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो अन्य किसानों की जमीन भी असुरक्षित रहेगी।

जुआ खेल रहे 9 लोग गिरफ्तार

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। जिले में मनासा पुलिस ने जुआ खेलते 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भाटखेड़ी श्मशान घाट पर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। मौके पर तीन अलग-अलग समूहों में जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों से 36,200 रुपए नकद और तीन गड्डी ताश जब्त की। एक आरोपी विष्णु चौहान अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपियों में देवीलाल खाती, कमलेश धाकड़, संतोष योगी, राजेंद्र राठौर, मुकेश तेली, प्रहलाद मेघवाल, जगदीश माली, रामचंद्र और राहुल भौई शामिल हैं। इनमें से कुछ स्थानीय हैं, जबकि प्रहलाद मेघवाल राजस्थान के मेलाना से है।

एस.पी. अंकित जायसवाल द्वारा शिविर में सीएम हेल्पलाइन की 32 शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण

नीमच । अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन उज्जैन श्री उमेश जोगा द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में दिनांक 23.09.2025 को पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच स्थित सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर के साथ साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का भी आयोजन किया गया। जन सुनवाई, शिकायत निवारण शिविर एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर के दौरान आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं और शिकायतों को एस.पी. श्री अंकित जायसवाल के समक्ष प्रस्तुत किया। एस.पी. श्री अंकित जायसवाल द्वारा आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाकर संबंधित थाना प्रभारियों के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया। उक्त शिविर के दौरान सीएम हेल्पलाइन की लेवल - 1 , लेवल-2 एवं लेवल-3 की कुल 32 सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाकर शिकायतें बंद करवाई गयी। जिला स्तरीय जन सुनवाई शिविर के दौरान लगभग 40 फरियादियों द्वारा एसपी श्री अंकित जायसवाल के समक्ष उपस्थित होकर अपनी समस्याएं बताई जाने पर एसपी श्री अंकित जायसवाल द्वारा संबंधित थाना प्रभारियों को शिकायतों के शिघ्र निराकरण हेतु निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल द्वारा राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिये गयें कि सभी आवेदनों का समय पर एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की समस्याओं जैसे भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से संबंधित मुद्दों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं आदि से जुड़े प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जावें। जिला स्तरीय सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक नीमच सुश्री किरण चैहान, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जावद श्री रोहित राठौर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा श्रीमति शाबेरा अंसारी, उप पुलिस अधीक्षक (महिला सुरक्षा शाखा) सुश्री निकीता सिंह सहित जिलें के समस्त थाना प्रभारी/चैकी प्रभारी एवं संबंधित शाखाओं के प्रभारी सहित फरियादी/आवेदक उपस्थित रहें।

स्टेनोग्राफर-ASI भर्ती में बड़ा बदलाव, नहीं होगी हिंदी-अंग्रेजी भाषा की परीक्षा

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ESB) गृह विभाग के लिए सूबेदार शीघ्रलेखक (स्टेनोग्राफर) और सहायक उप निरीक्षक (अनुसचिवीय) के 500 पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस तरह की भर्ती आठ साल बाद होने जा रही है। इस परीक्षा के लिए ईएसबी ने नियमावली जारी कर दी है। उसके मुताबिक इन पदों पर चयन के लिए सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति और गणितीय दक्षता तो जांची जाएगी, लेकिन हिंदी या अंग्रेजी भाषा की दक्षता जांच के लिए कोई परीक्षा नहीं होगी। नियमावली के मुताबिक, यह भर्ती परीक्षा दो चरणों में होगी। पहले चरण में 100 अंकों की लिखित परीक्षा होगी, जिसमें सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता व गणित-विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे। इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रविधान नहीं है। सूबेदार और एएसआई की परीक्षा में 40 अंक सामान्य और तार्किक ज्ञान के रहेंगे, 30 अंक बौद्धिक क्षमता और मानसिक अभिरुचि के होंगे, जबकि 30 अंक विज्ञान एवं सरल अंक गणित के होंगे। वहीं, परीक्षा के दूसरे चरण में दस्तावेज सत्यापन व प्रायोगिक परीक्षा (टंकण/आशुलिपि) ली जाएगी। पहली बार शीघ्रलेखक पद के लिए पहली परीक्षा व शार्टहैंड टाइपिंग प्रायोगिक परीक्षा के अंक को मिलाकर अंतिम सूची बनेगी। दोनों परीक्षा के लिए 100-100 अंक तय किए हैं। पिछली बार जो परीक्षा हुई थी, उसमें टंकण/आशुलिपि दक्षता परीक्षा केवल क्वालिफाइंग थी। उसमें न्यूनतम अंक पाने वाले को दक्ष मानकर लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर मेरीट बन गया था। बताया गया है कि पहले चरण की लिखित परीक्षा के कटआफ के सात गुना अभ्यर्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

जनता का तर्क : बदले गए नए नक्शे ने बढ़ाई रहवासियों और व्यापारियों की परेशानी

बघाना फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण का विरोध, सड़क पर दिया धरना

समस्या : नया नक्शा बदला तो उजड़ेंगे 500 परिवार, छोटे व्यापारियों की आजीविका पर संकट

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। बघाना रेलवे फाटक पर प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नगर और उपनगर को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण ब्रिज का प्रारंभिक नक्शा क्षेत्र के लोगों के लिए सबसे उपयुक्त माना गया था, लेकिन हाल ही में बदले गए नए नक्शे ने रहवासियों और व्यापारियों की परेशानी बढ़ा दी है। सोमवार को बड़ी संख्या में लोग गणेश मंदिर रोड पर एकत्र हुए और धरना देकर इस योजना का कड़ा विरोध जताया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि पुराने नक्शे के अनुसार ब्रिज सीधे रेलवे फाटक से होकर कृषि उपज मंडी की रिक्त भूमि और होटल राज पैलेस के समीप लेवड़ा ग्राम तक प्रस्तावित था। इस मार्ग से न तो निजी संपत्तियां प्रभावित होती और न ही यातायात बाधित होता।

सर्वेक्षण और निरीक्षण के आधार पर तैयार यह नक्शा व्यावहारिक और पर्यावरण की दृष्टि से भी उपयुक्त था।

मगर अब प्रशासन ने नया नक्शा सामने रख दिया है, जिसके तहत ओवरब्रिज पुरानी कृषि उपज मंडी के गेट नंबर-2 से होकर स्टेशन रोड और फाटक के ऊपर से निकाला जाएगा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि स्टेशन रोड पहले से ही संकरी और भीड़भाड़ वाली है। ऐसे में ब्रिज का उतार वहीं बनाना आने वाले समय में बड़ा हादसा साबित हो सकता है।

नए नक्शे से लगभग 500 परिवार प्रभावित होंगे। छोटी-बड़ी दुकानों, सब्जी-फल, फूल माला, मनिहारी और चाय-ठेला चलाने वाले व्यवसायियों की आजीविका पर संकट आ जाएगा। नागरिकों का कहना है कि यह योजना न तो व्यावहारिक है और न ही जनता के हित में। धरने में शामिल रहवासियों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की कि पुराने नक्शे को ही लागू किया जाए और उसी आधार पर ओवरब्रिज का निर्माण हो, ताकि न तो परिवार उजड़ें और न ही व्यापार चौपट हो।

चार लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच 23 सितंबर (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड नीमच संजीव साहू द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग(6)4 के तहत एक पीडित परिवार को चार लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। एसडीएम नीमच द्वारा डसानी निवासी मुरलीधर पिता बाबरू की 12 अप्रेल 2024 पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिस माता टमाबाई को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। तहसीलदार नीमच नगर द्वारा आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर एसडीएम नीमच को प्रस्तुत किया गया था।

घनी आबादी में मोबाइल टावर का विरोध

चौधरी कॉलोनी मनासा के रहवासी कलेक्टर से मिले, स्वास्थ्य व सुरक्षा पर जताई चिंता

नीमच/मनासा 23 सितम्बर (निप्र)। मनासा की चौधरी कॉलोनी के लोगों ने अपने ही मोहल्ले में मकान की छत पर मोबाइल टावर लगाए जाने का विरोध किया है। रहवासियों का कहना है कि यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां टावर लगने से लोगों की जान-माल और स्वास्थ्य पर खतरा मंडराने लगेगा। आवेदन में बताया गया है कि मनासा में नीमच नाके के पास जगदीश चंद्र सोलंकी अपने मकान की छत पर मोबाइल टावर स्थापित कर रहे हैं। इसको लेकर कॉलोनी वासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि टावर से निकलने वाली विद्युत व चुंबकीय तरंगों से कैंसर, लकवा, आंखों की रोशनी जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लोगों का आरोप है कि

टावर का निर्माण सरकारी नियमों और दूरसंचार विभाग के सुरक्षा निर्देशों को दरकिनार कर किया जा रहा है। इसके अलावा भारी भरकम संरचना गिरने की स्थिति में भी जनहानि की आशंका जताई गई है। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को देखते हुए कॉलोनी में टावर निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए।

12th के बाद
सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 38,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वांरटी
के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

जनपद सदस्य श्रीमती अहीर एवं सरपंच राठौर ने आंगनवाड़ी केंद्रों को लिया गोद

धनेरिया कलां के पोषण माह कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच 23 सितम्बर (निप्र)। नीमच विकासखण्ड के ग्राम धनरिया कलां के आंगनबाड़ी केंद्र पर मंगलवार को डिवर्मिंग डे (कृमि मुक्ति दिवस) आयोजित किया गया। आंगनबाड़ी में पंजीकृत बच्चों को कृमिनाशक गोली (Albendazole) वितरित की और सामूहिक मंगल दिवस भी मनाया गया, इसमें पोषण, स्वच्छता और बच्चों के सर्वांगीण विकास से संबंधित जानकारी साझा की गई।

वरिष्ठ जनपद सदस्य श्रीमती कान्ता हरीश अहीर, सरपंच राजेश राठौर, सचिव प्रेम सिंह चुंडावत, प्रकाश अहीर ने आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया तथा समर्पण पत्र (गोदनामा) सौंपा। जिसमें बच्चों के लिए पौष्टिक आहार, पंखे एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध

कराने की घोषणा की गई। यह पहल बच्चों के पोषण एवं शिक्षा को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है।

आंगनबाड़ी केंद्रों की सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका आशा कार्यकर्त बड़ी संख्या में ग्रामवासी, महिलाएं, अभिभावक और बच्चे उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों ने पोषण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर सहयोग की भावना व्यक्त की।

GYANODAYA UNIVERSITY
& GROUP OF INSTITUTES
ADMISSION ANNOUNCEMENT FOR THE SESSION 2025-26
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Comp. Science: BCA, MCA, DCA, PGDCA
Engineering: B.Tech (CSE), B.Tech (Elect.), B.Tech (Mech.), B.Tech (Civil), B.Tech (Fire & Safety)
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
Agriculture: B.Sc.(Ag)
Veterinary: Diploma in Animal Husbandry
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/Physics/Bio.)
Art & Humanities: BA (Plain/Journalism and mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Engineering: M.Tech (CSE/IEM/Energy Tech)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib, M.Lib
Education: B.Ed, D.El.Ed
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA, Diet. & Nutrition
Highest Package 12.75 Lac
Average Package 4.75 Lac
11,000+ Placements
25,000+ Alumni
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.)
Call: 98275 50959 | 91797 98821
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

नगर परिषद डीकेन द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न गतिविधीयां आयोजित

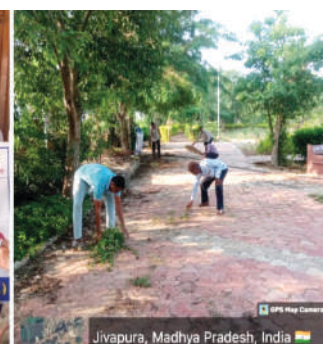

डीकेन । नगर परिषद डीकेन द्वारा शासन के निर्देशों के पालन नगर परिषद अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार पाटीदार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी अब्दुल रऊफ खान के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा अभियान का निरंतन क्रियान्वयन किया जा रहा है इसी के तहत दिनांक 18 सितम्बर 2025 को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कंजार्डा चौराहा स्थित बालाजी मंदिर पर विशेष सफाई अभियान, नगर के बस स्टेण्ड पर सिंगल यूज प्लास्टिक बेन हेतु जागरूकता कार्यक्रम तथा निकाय के वार्ड क्रमांक 01 गुडा परिहार में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को गृहप्रवेश करवाया गया। इस कार्यक्रम में नगर परिषद के जनप्रतिनिधी एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।